Saraswati Om Jai Veene Wali Aarti Lyrics in Hindi English

Saraswati Om Jai Veene Wali Aarti Lyrics in Hindi

ओइम् जय वीणे वाली,
मैया जय वीणे वाली
ऋद्धि-सिद्धि की रहती,
हाथ तेरे ताली
ऋषि मुनियों की बुद्धि को,
शुद्ध तू ही करती
स्वर्ण की भाँति शुद्ध,
तू ही माँ करती ॥ 1 ॥

ज्ञान पिता को देती,
गगन शब्द से तू
विश्व को उत्पन्न करती,
आदि शक्ति से तू ॥ 2 ॥

हंस-वाहिनी दीज,
भिक्षा दर्शन की
मेरे मन में केवल,
इच्छा तेरे दर्शन की ॥ 3 ॥

ज्योति जगा कर नित्य,
यह आरती जो गावे
भवसागर के दुख में,
गोता न कभी खावे ॥ 4 ॥

Saraswati Om Jai Veene Wali Aarti Lyrics in English

Om Jai Veene Wali,
Maiya Jai Veene Wali,
Riddhi-Siddhi Ki Rehti,
Haath Tere Taali.
Rishi Muniyon Ki Buddhi Ko,
Shuddh Tu Hi Karti,
Swarna Ki Bhanti Shuddh,
Tu Hi Maa Karti. 1

Gyaan Pita Ko Deti,
Gagan Shabd Se Tu,
Vishw Ko Utpann Karti,
Adi Shakti Se Tu. 2

Hans-Vaahini Deeji,
Bhiksha Darshan Ki,
Mere Man Mein Keval,

Ichha Tere Darshan Ki. 3

Jyoti Jaga Kar Nitya,
Yeh Aarti Jo Gaave,
Bhavsagar Ke Dukh Mein,
Gota Na Kabhi Khaave. 4

About Saraswati Om Jai Veene Wali Aarti in English

“Saraswati Om Jai Veene Wali Aarti” is a devotional hymn dedicated to Goddess Saraswati, the deity of wisdom, knowledge, music, and arts. She is depicted playing the veena, symbolizing the perfect harmony of intellect and creativity. The aarti praises her divine qualities and seeks her blessings for wisdom, intellect, and enlightenment.

The hymn begins by addressing Goddess Saraswati as the one who bestows riddhi (prosperity) and siddhi (spiritual power). It acknowledges her purity and the ability to purify the minds of sages and seekers of knowledge. The reference to her as the “Veene Wali” highlights her association with the veena, symbolizing the harmonious balance of the mind and soul.

The aarti also prays for guidance in the form of divine knowledge, offering sincere devotion to the Goddess. It emphasizes that by chanting this aarti, devotees can free themselves from worldly troubles and attain wisdom and peace.

The hymn concludes by expressing that the person who regularly sings this aarti will be protected from the miseries of life and will gain enlightenment. It reflects a deep faith in the transformative power of Saraswati’s blessings, particularly in helping individuals overcome challenges and attain success in life.

About Saraswati Om Jai Veene Wali Aarti in Hindi

“सरस्वती ओम जय वीणे वाली आरती” देवी सरस्वती की भक्ति में गाई जाने वाली एक प्रसिद्ध आरती है। देवी सरस्वती को विद्या, ज्ञान, संगीत, और कला की देवी माना जाता है। उनकी उपासना से बुराईयों से मुक्ति और ज्ञान की प्राप्ति होती है। इस आरती में देवी सरस्वती की महिमा का वर्णन किया गया है, जो अपने भक्तों को ज्ञान, बुद्धि, और सफलता का आशीर्वाद देती हैं।

आरती की शुरुआत देवी सरस्वती की स्तुति से होती है, जिनके हाथ में वीणा है, जो बुद्धि और कला के सामंजस्य का प्रतीक है। इस आरती में देवी सरस्वती से प्रार्थना की जाती है कि वे भक्तों के जीवन में ऋद्धि (समृद्धि) और सिद्धि (आध्यात्मिक सफलता) लाएं। इसके अलावा, यह आरती यह भी दर्शाती है कि देवी सरस्वती से ज्ञान प्राप्त करने के लिए शुद्ध मन और सच्चे भाव से पूजा करनी चाहिए।

आरती का अंतिम भाग यह कहता है कि जो भी श्रद्धा और भक्ति से इस आरती का गायन करता है, वह जीवन के सभी कष्टों से मुक्त हो जाता है और उसे ज्ञान की प्राप्ति होती है। यह आरती देवी सरस्वती की कृपा प्राप्त करने का एक साधन है, जो जीवन में सफलता और शांति की ओर मार्गदर्शन करती है।